संसद प्रश्न: एएनआरएफ में वितरित और उपयोग की गई निधि

अनुसंधान राष्ट्रीय शोध फाउंडेशन (एएनआरएफ) के संचालन शुरू होने के बाद से उसे आवंटित एवं उसके द्वारा उपयोग किए गए निधियों का राज्यवार और वर्षवार विवरण नीचे दिया गया है तथा इसे परिशिष्ट-I में संलग्न किया गया है।

वित्तीय वर्ष	योजना-वार बजट आवंटन (करोड़ रुपये में)	निधि उपयोग (करोड़ रुपये में)
2023-24	एसईआरबी: 1004.5	एसईआरबी: 1004.5
2024-25	एसईआरबी: 721	एसईआरबी: 721
2025-26	एसईआरबी: 538.25 एएनआरएफ: 1506.00	एसईआरबी: 415.43 एएनआरएफ: 603.40
2026-27 (21/07/2026 तक)	एसईआरबी: 543.25 एएनआरएफ: 2000.00	एसईआरबी: 26.01 एएनआरएफ: 76.58

एएनआरएफ राष्ट्रीय, प्रतिस्पर्धी, योग्यता-आधारित अनुसंधान और नवाचार कार्यक्रमों को लागू करता है। तदनुसार, निजी क्षेत्र के योगदान को राष्ट्रीय स्तर पर जुटाया जाता है और उन्हें किसी व्यक्तिगत राज्य के लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता।

एएनआरएफ के संचालन में आने के बाद से निजी क्षेत्र के योगदान को जुटाए जाने का विवरण नीचे दिया गया है :

साझेदार संगठन	साझेदार संगठन द्वारा योगदान (अनुमानित)	स्थिति
गेट्स फाउंडेशन	₹450 करोड़ (लगभग 50 मिलियन अमेरिकी डॉलर, अर्थात पाँच वर्षों के लिए प्रति वर्ष 10 मिलियन अमेरिकी डॉलर) पहले चरण में। दूसरे चरण में 25 मिलियन अमेरिकी डॉलर का अतिरिक्त योगदान।	पहले चरण के लिए आशय पत्र पर हस्ताक्षर किए गए।
वाधवानी फाउंडेशन	100 करोड़	आशय पत्र पर हस्ताक्षर किए गए

विविध उद्योग	45 करोड़	मिशन में उन्नति के लिए प्रतिबद्ध उच्च-प्रभाव-इलेक्ट्रिक वाहन मिशन कार्यक्रम; नीचे-से-ऊपर दृष्टिकोण का उदाहरण।
क्वालकॉम टेक्नोलॉजीज इंक.	₹90 करोड़ (लगभग 10 मिलियन अमेरिकी डॉलर, अर्थात पाँच वर्षों के लिए प्रति वर्ष 2 मिलियन अमेरिकी डॉलर)।	आशय पत्र पर हस्ताक्षर किए गए
एनवीआईडीएआई कॉर्पोरेशन	लगभग 22.5 मिलियन अमेरिकी डॉलर मूल्य के वस्तु-रूप योगदान, जिसमें लाइसेंस और अन्य शोध संसाधनों तक पहुंच शामिल है।	आशय पत्र पर हस्ताक्षर किए गए
गूगल	लगभग ₹54 करोड़ (6 मिलियन अमेरिकी डॉलर के लिए आशय पत्र (LoI)), जिसमें प्रथम चरण के वर्ष 1 के लिए 2 मिलियन अमेरिकी डॉलर शामिल हैं।	आशय पत्र पर हस्ताक्षर किए गए

बिहार राज्य में विश्वविद्यालयों और अनुसंधान संस्थानों को विभिन्न अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं के तहत अनुसंधान राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन (एएनआरएफ) द्वारा पिछले तीन वर्षों और चालू वर्ष के दौरान जारी की गई निधियों का श्रेणी-वार विवरण नीचे दिया गया है :

संस्थान का प्रकार	जारी की गई धनराशि (करोड़ रुपये में)
केंद्रीय विश्वविद्यालय (सार्वजनिक)	2.07
महाविद्यालय (सार्वजनिक)	0.10
डीम्ड विश्वविद्यालय (निजी)	0.76
केंद्र सरकार के अधीन संस्थान (IIT, NIT, IISER आदि)	16.86
राज्य सरकार के अधीन संस्थान	0.16
निजी विश्वविद्यालय	0.10
राज्य विश्वविद्यालय (सार्वजनिक)	3.48

विगत तीन वर्षों और चालू वर्ष के दौरान बिहार राज्य में विभिन्न एएनआरएफ पहलों के अंतर्गत वित्त पोषण के लिए स्वीकृत अनुसंधान प्रस्तावों/परियोजनाओं का कार्यक्रम-वार विवरण नीचे दिया गया है। उक्त अवधि के दौरान एएनआरएफ पहलों के अंतर्गत बिहार राज्य में कोई संस्थागत हब-एंड-स्पोक नेटवर्क स्वीकृत नहीं किया गया है। बिहार राज्य में विभिन्न एएनआरएफ पहलों के अंतर्गत वित्त पोषण के लिए स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण अनुलग्नक II में दिया गया है।

कार्यक्रम	स्वीकृत परियोजनाओं की संख्या
उन्नत अनुसंधान अनुदान	20
एआरजी-मैट्रिक्स	6
मूल अनुसंधान अनुदान	16
विज्ञान में उत्कृष्टता के लिए सशक्तिकरण और समानता के अवसर	6
समावेशिता अनुसंधान अनुदान	12
मैट्रिक्स	5
राष्ट्रीय पोस्ट डॉक्टोरल फेलोशिप	9
प्रधानमंत्री प्रारंभिक कैरियर अनुसंधान अनुदान	22
प्रधानमंत्री प्रोफेसरशिप	1
रामानुजन फेलोशिप	1
SERB-POWER अनुदान	1
स्टार्ट-अप अनुसंधान अनुदान	11
राज्य विश्वविद्यालय अनुसंधान उत्कृष्टता (SERB SURE)	6
अनुसंधान उत्कृष्टता के लिए शिक्षक एसोसिएटशिप	1

यह जानकारी केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार); पृथ्वी विज्ञान तथा प्रधानमंत्री कार्यालय, कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन, परमाणु ऊर्जा और अंतरिक्ष राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह द्वारा आज लोकसभा में एक लिखित उत्तर में दी गई।